

६९९

५

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :-

ग्रंथ क्रमांक

६ (६२५)

ग्रंथ नाम

अनेक आरत्या

विषय

आरत्या

॥ त्रिभुवनेश्वर नर नीलमकर शास्त्राया

॥ पद्मे जय देव जय देव जय जय हनुमं

॥ ताम्र तुमचे निप्रतापे निभयतर्वधं

॥ ता जय देव जय देव ॥ १ ॥ धुम धुन्मी पाता

॥ ल उठि ला पारि शब्द धग धग धणि वरी

॥ मा डि ला खेद कर डि ले पर्वत त्रिगुण

॥ उखेद राते राम दाश शक्ति चाशोध

॥ जय देव जय देव जय हनुमं ताम्र तुमचे

॥ २ ॥ ॥ कर ते पंचायतनाचि ॥

॥ अग संकट भय नाश न सुखदा निघ्नेश

॥ अयं सुखरं वंद्या नरवारण वेश ॥ पा

॥ सां कुश धर सुंदर मृतीची आशा

॥ निज पद देउनि पैशे भांती वीशा

॥ जय देव जय देव जय सुख कर मृती

॥ गपति शिव हर भास्कर अबा सुख

॥ मञ्जुवराणां शरणागतसुखभावा ॥  
॥ न सुखवर्धनं करुणां जनकसुखं ॥  
॥ ४ ॥ त्रिभुवन उत्पत्तिपाकनकर्त्तरि  
॥ तुमसा नांही तुजे रूपादुरवसा  
॥ रीगपमाय ॥ तुजे गुणगणैर्वर्णित  
॥ करितीनिगमाया ॥ करुणाक  
॥ रत्निके सुनयनि श्रांमाया जय  
॥ देव ॥ ५ ॥ नरना कृष्णायो ॥ ३४ ॥  
निर्गुणसंगुणाकारं संहतशुभारं ॥  
सूरहारनंदरुमारं मुनिजनसुखका  
रं ॥ जयदेव जयदेव जय देवो पालनं  
मृगमदभुभृतभालं करुणाकहे  
वं जयदेव जयदेव ॥ १ ॥ वृंदावनसंच  
रं कोस्तुभमनिहरं करुणापोरावरगो व

॥ लादुत्तर निवारी ॥ जयदेव जयदेव जयदेव सा सुरमयनी ॥  
 ॥ सुरवर रश्मि रवदे नारक से जवनी ॥ जय ॥ १ ॥ श्री भुवनी भुव  
 ॥ नि पाइला लुज जैसी नाही ॥ च्या रिता मते परतुन बोजे  
 ॥ काही ॥ साई विचारिता पउजे मवाही ॥ ते तुमकां जागी  
 ॥ पावसी उवजाई ॥ जय ॥ २ ॥ मसंन वदेनी मसंन होसी  
 ॥ निज दासा ॥ कुशे सा सुन काडी लोडी भव पाशा ॥ उना  
 ॥ बेलुज वाचुन कोष पुर विजुना शा ॥ नर इर तछी निजा  
 ॥ उपक जउशा ॥ जय ॥ ३ ॥ सा मांजी ॥  
 ॥ उचथ क्ली विनाळा ॥ जय ॥ ४ ॥ विर कर काका मीन  
 ॥ भेज्वाळा ॥ उचथ स मल की बाकी ॥ लघु नि यज्जि  
 ॥ निर्मळ वाई सुक सुखा ॥ जय देव ॥ जय उकरा ॥ अमरत  
 ॥ वेवाळु तुलुवर पुर गौरा ॥ जय देव ॥ १ ॥ व्याघ्र वर फणी  
 ॥ वर धर सुदर वदना रि ॥ पध्या नन मुनि ज न मोडन लु  
 ॥ कारी ॥ हात काटी चे बिजे वाचे उच्यारि ॥ रघु कुंकव  
 ॥ राम दासा उर्गातरी ॥ जय ॥ २ ॥ अरति माळी च  
 ॥ सर्वेणे छेदने हुंकार वदने कळम कळक भूम उ  
 ॥ कभारी चे गंगेने ॥ कडाडि के वल्ल उ जौरवा  
 (२)

॥ आर्तिवोना कि लाहति भव भय चिंतु जैदेव ज  
 ॥ देव ॥ १॥ सभाय न भयं तारि तु मे क दत्तं ज भाग्या सि  
 ॥ कै। सनक के हि मा तं पुरा हि परस्था के के सा हो हंत  
 ॥ जन्म मर्णा या पु ली जन्म ॥ जयदेव जयदेव ॥ दत्त दत्त  
 ॥ ऐ सैं लग ले छाने हूर पले ॥ न सा ॥ न मनो मि तो पण  
 ॥ चिंता लि बो सण ये व जना दी नि श्री गुरु दत्ता ये ध्यान  
 ॥ जयदेव जयदेव ॥ ३॥ नाना देवि देव ये क विराजे ना  
 ॥ नाना ट क किला तं दूर पसा जे नाना ति थि क्षेत्र  
 ॥ आ जे न नाना ति गा ग नो ॥ अ ग द म हि मा नु जा  
 ॥ ब्रह्मा डि गा जे न जयदेव जयदेव ॥ नमो राम नमो  
 ॥ नमो राम नमो नमो ॥ नमो ॥ जयदेव जय  
 ॥ देव ॥ अहं स मा स ॥ ति भो ना चि ॥  
 ॥ बहुरु वि बहुरु ने न इ धा का का चां हरि हर ब्रह्मा दिक  
 ॥ देव स क का चा ॥ युगा युगि अमराम ॥ नमो च  
 ॥ सप्त ने म हि मा न बो ल दे वा चां जयदेव जयदेव ॥ २॥  
 ॥ या दृ शं कि रितं दृ शं त दृ शं कि रितं ॥ ७॥  
 ॥ या दि कुं थ स्था म म दौ पो ना नि ये  
 ॥ अरं ती चि व हि व रु छा भ द प पु पु द्या  
 ॥ चि असे अरति ना प र दं क ॥ ७॥ ८० ॥

॥ रविशशिनायनाशिखिनायकगमना ॥ वक्षुःश्रु  
॥ तिपतिशायनापातकवनदहना ॥ मदमोजितग  
॥ जवदनाकरुणारससदना ॥ जयजय ॥ २॥ मु  
॥ निजनमानसहसा नवद्वीतसा ॥ रत्नालयक  
॥ तवासाहिमकरनिभवासा ॥ मायातमहय  
॥ साबुधपदपदसुरसा ॥ मयुरेश्वरभयनाशावि  
॥ दिताखिलहिंसा ॥ जयजय ॥ ३॥ ११॥

अतिरेणुके

॥ त्रिभुवनपावनप्रेतियुक्तमकरये ॥ सखन  
॥ तृकजमधुपेककनारकाकूपे ॥ सोदयाबुदश  
॥ पेमायातमदीपे ॥ भगवधनुसमीपभजकश्रम  
॥ लोपे ॥ जयदेवीजयदेवीजयदेवीजयरेणुके ॥ मूलक्षि  
॥ तिभरवासिनिसन्निद्रुमकलिके जयदेवजयदेव  
॥ १॥ दानववधनिःशंकेपरितुद्रवशोके ॥ सायुध  
॥ बाहुचतुर्धृतकुंकुमाविलके ॥ तनुभाजितवाला  
॥ केवर्जितदुस्तर्के ॥ पालयमानकलंके मृणिमयता  
॥ टंके ॥ २॥ मंजीराकेतपादेविमलेश्वरदे ॥ संसार  
॥ दुमकंदेहकनिर्जितकुमुदे ॥ पालितशाक्तमुकुंदेदि  
॥ जह्मपितकुंदे ॥ मयुरेश्वरकविवरदेसमधुपाना  
॥ दे ॥ जयदेवी ॥ ३॥ ११ ३९ ॥

अथाकासोन्याचि कंबळ पदमाळ ताळी ॥ रा  
 ररुमा इराण्यास कळा गो वाळिति माजा वि  
 टोबासा वाळा जयदे ॥ ३॥ समस गेपिका  
 मिळीन कुर्वे ज्या करिति चंद्र भागे मध्ये से  
 उनयादेति ॥ छत्रपताका विष्णु नाच मिमं  
 टरिचि माहि मावणा वाळिति ॥ जयदे ॥ ४॥  
 अवाडी कार्तिकी भक्त जन ये ति चंद्र भागे ती  
 रोस्नान जे करति द रोन वेळ मान य होय मु  
 ती के रावाचि नाचये नचा वेळ पाळिति ज  
 यदेव जयदेव ॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥  
 ॥ भवे भवे नाति गजगद रयने वं नख  
 ॥ तेजो बुधिमिता जगदि शं ॥ अनाथ वधवंदे  
 ॥ अमा विश्वेशं मृगधर पशुहंसं मृगचंद्र मोलि  
 ॥ जयदेव ॥ २॥ वामदेवं वंदे विदेह केवल्य ल  
 ॥ योजातं सिद्धि ज्येष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ ॥ विभ  
 ॥ सुदर चैवंत रोमे सनागिं नमामि रुद्रा क  
 ॥ रंता रव जगदि शं ॥ जयदे ॥ ३॥ अमेर  
 ॥ घेरे घोर हविरुद्रा भीम भूतं भूता नाथं भूज

॥ मयं ॥ जयजय नृहरस्वामिं त्रिभुवन  
 ॥ मेरा ॥ नीराजनमंगी कुरु मामवकमलेन  
 ॥ अयदेवजयदेव ॥ १ ॥ करधृतजलधियज  
 ॥ उतन ॥ वक्रं रणहृतरदवक्रं ॥ उद्यतकुंजरनक्रं  
 ॥ मदितरिपुचक्रं ॥ दंतच्छविजिलगुक्रं प्रि  
 ॥ यकरदधिलक्रं ॥ पूजितसुरुगुरुचक्रं  
 ॥ कलये शुभवक्रं ॥ जयजय ॥ २ ॥ स्तंभो  
 ॥ द्रवविषमाक्षं सुरपालनदक्षं ॥ कृतदे  
 ॥ लेशशोक्षं कुमलाश्रितवक्षं ॥ तनुभा  
 ॥ जितरविलक्षं निजैतहमाक्षं ॥ मयुरे  
 ॥ शरपेत ॥ त्रैलोक्यविहीक्षं ॥ ज  
 ॥ यदेव ॥ ३ ॥ मिश्र ॥ ९ ॥  
 ॥ अतिगणपतीनी  
 ॥ निजैरगणभयह ॥ रणाजगदुद्रवकरणा ॥  
 ॥ संहारकमुमधरणाक्षितिवाहामरणा ॥ मुमु  
 ॥ दाकेतिवाशिकिरणामंगलकृतस्मरणा ॥  
 ॥ विधिमुखवदितचरणा लोकत्रयशरणा ॥ ज  
 ॥ यजयगिरिजानंदनपशुपालिकुलभूषा ॥ पाशा  
 ॥ कुशारमोहकधृतनरराजवेषा ॥ जयदेवजयदेव  
 ॥ १ ॥ इधरसिंदुरहननाशपत्रयदलना ॥ हुलभुक

॥ ३ ॥ ला हो का ति देय माणि वर पंखे राशि द्वाद  
 ॥ काशि हो नि काळि सा फार ॥ पि वळ्या दे वा नी चा गो  
 ॥ दा उप कार ॥ जय जय न ॥ २ ॥ चं पा ष्ठी ना कु क थ  
 ॥ म के ला पि क्य पु र्णा वि अ ति दे वा ला ॥ रोग न  
 ॥ शि वा जि जा ह ला शी पि वळा ॥ सा वर वृ पा के ति  
 ॥ पि वळ्या मे रा का ॥ जय न ॥ ३ ॥ अर ति वि दो बा नि  
 ॥ योगे अ टा वि स पि ट व रि उ भौ वा म न कि  
 ॥ र खु दि वि जि ती शो भौ ॥ पु डा लि का चे  
 ॥ भे टि पं रं ब्र ह्म अ भे ग व र पि ना हे भौ  
 ॥ मा उ ध रि ज ग जय दे व जय दे व ज  
 ॥ य पां डु गं र सु मा यि न क्क भा पा ने जि व  
 ॥ ले गा जय दे व जय दे व ॥ ३ ॥ तु ल शि मा  
 ॥ का ग का कर ये उ नि म टि का ॥ शो पी ता  
 ॥ व र क स्रु र लं का टि ॥ दे व सु र व र नि त्म  
 ॥ ये ति ॥ भे टि ग रु उ हा णुं मं न फु डे उ भे र  
 ॥ हा ति ॥ जय दे व ॥ २ ॥ वो वा कु अर ति अ न क्षे  
 (६)



## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com